शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

नैक बैंगलोर द्वारा मूल्यांकित "A+" ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कॉलेज समाचार

जन.-जून-2023

बास शिल्प एवं पुरातात्विक प्रतिकृति प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह

महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा बास शिल्प एवं पुरातात्विक प्रतिकृति प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 3 अप्रैल से 13 अप्रैल 2023 तक किया गया। दस दिवसीय इस कार्यशाला में श्री रामशरण प्रजापति, श्री राजेन्द्र एव कु. नेमा के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। स्वागत भाषण प्रतुत करते हुए इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि नई शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास एवं फैकल्टी डेवेलोपमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया है। पुरातात्विक प्रतिकृति बास शिल्प मटपई शिल्प एवं टेराकोटा शिल्प प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को छ.ग. की सथानीय कला से परिचित कराने उनके संरक्षित करने एवं विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु विभाग निरन्तर कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है? 13.4.23 को कार्यशाला का समापन समारोह एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विविध शिल्प कलाओं की मनोहारी प्रदर्शनी आयोजित की गयी । यह समारोह उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त श्रीमती शारदा वर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा आयुक्त श्रीमती शारदा वर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इतिहास विभाग द्वारा आयोजित विविध शिल्प कलाओं में निर्मित कलाकृतियों के अवलोकन से सुखद अनुभूति हुई। महाविद्यालय नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु निरन्तर प्रयास कर रहा है। कार्यशाला के माध्यम से हम अपनी कला संस्कृति को समझने एवं उनको संरक्षित करने में सफल होंगे। इसके लिए महाविद्यालय प्रशासन एवं इतिहास विभाग के प्रयास की उन्होंने प्रशंसा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं रोजगार मूलक कार्यक्रम महाविद्यालय के इतिहास विभाग के द्वारा सतत किये जा रहे हैं । उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने एवं लोक संस्कृति से परिचित कराने हेतु यह कार्यशाला अत्यन्त सार्थक है। इससे विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है, साथ ही उनको लोक संस्कृति से भी परिचित कराया जा रहा है। इसके लिए महाविद्यालय एक डिप्लोमा कोर्स शुरू करने जा रहा हैं, ताकि विद्यार्थियों को इस तरह का प्रशिक्षण नियमित मिलता रहे। महाविद्यालय में कला एवं पुरातत्व पर आधारित एक संग्रहालय स्थापित करने की भी इच्छा उन्होंने व्यक्त की। कार्यक्रम में आई क्यू ए सी की कोडिनेटर प्रो. डॉ. जगजीत सिंह कौर सलुजा, प्रो. अनुपमा अस्थाना, प्रो. पद्‌मावती, प्रो. अजय सिंह, प्रो. आर. एस. सिंह. प्रो. श्रीनिवास, देखमुख , प्रो. शकील हुसैन, डॉ. विनोद अहिरवार, डॉ. के पद्‌मावती तथा अन्य प्रध्यापक , कर्मचारी एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ अन्य संकायों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्राध्यापक डॉ. ज्योति धारकार ने दिया ।

सम्पादक : डॉ. सुचित्रा गुप्ता, डॉ. बलजीत कौर, डॉ. संजु सिन्हा

प्रदेश का एकमात्र A+ grade प्राप्त शासकीय महाविद्यालय

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare
Government V.Y.T. PG Autonomous College, Durg
G.E. Road, Dist. Durg, affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya,
Chhattisgarh as
Accredited
with CGPA of 3.47 on four point scale
at A+ grade
valid up to March 29, 2028

Date : March 30, 2023

Director

EC(SC)/151/4th Cycle/CGCOGN11122

प्रदेश का एकमात्र A+ grade प्राप्त शासकीय महाविद्यालय शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में दिनांक 28 एवं 29 सितम्बर 2022 को राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (National assessment and Accreditation Council). के सदस्यों के द्वारा नैक एसेसमेंट के चौथे चरण हेतु महाविद्यालय का सम्पूर्ण निरीक्षण किया गया था।

निरीक्षण के पश्चात महाविद्यालय को 3.47 CGPA के साथ A+ grade प्रदान किया गया। यह महाविद्यालय छत्तीसगढ़ प्रदेश का एकमात्र A+ grade प्राप्त महाविद्यालय है। विगत वर्षों में महाविद्यालय ने अपनी साख बनाये रखते हुए दूसरी बार अधिकतम CGPA के साथ A+ grade प्राप्त किया है।

कॉलेज समाचार

विद्यार्थियों का मक्का उत्पादन कंपनी राजनांदगाँव में भ्रमण

महाविद्यालय के बी.एससी. बायोकेमेस्ट्री एवं बी.एससी. इंडस्ट्रीयल केमेस्ट्री के 93 विद्यार्थियों ने दिनांक 03-01-23 को राजाराम मक्का उत्पादन कंपनी बोथीपार, राजनांदगाँव का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने वहाँ मक्के से बनाये जाने वाले विभिन्न उत्पादों की तकनीकी प्रक्रियाओं को देखा व समझा ।

फैक्ट्री में मक्के के स्टॉर्च से एनजाईम के द्वारा विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे ग्लूकोस, ग्लूकोस सीरप, सॉर्बिटॉल, ग्लूटॅन, कॉर्न आइल आदि के बनने की प्रक्रियाओं की बारीकियों को सीखा। औद्योगिक क्षेत्र में स्थित बॉयलर से बिजली बनने की प्रक्रिया को विद्यार्थियों ने देखा। इस उद्योग में मक्के के अंतिम बाय प्रोडक्ट से मीथेन गैस बनाकर ग्रीन विद्युत का उत्पादन किया जाता है। इस उद्योग में निष्कासित जल का उपचार करने की तकनीक को विद्यार्थियों ने समझा। स्टॉर्च से दूध पाउडर के बनाने की प्रक्रियाओं में उपयोगी मशीने जैसे अपकेन्द्रन मशीन, फिल्टर मशीन, आयन एक्सचेंजर एवं निर्वात वाषपन का सूक्ष्मता से अवलोकन किया।

महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. नूतन राठौड़, श्रीमती उपमा श्रीवास्तव, डॉ. व्ही.एस. गीते, डॉ. सोमा सेन एवं श्रीमती रोमांची चन्द्राकर ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। राजाराम मक्का उत्पादन कंपनी के श्री मनोज चौबे एवं अन्य अधिकारियों ने इस भ्रमण में विशेष सहयोग दिया।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में एक सप्ताह की कार्यशाला एवं व्यक्तिगत प्रशिक्षण का आयोजन

सूक्ष्मजीव विज्ञान से संबंधित प्रौद्योगिकी के रूझानों पर दिनांक 9 से 14 जनवरी 2023 को आधारित कार्यशाला एवं व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलाइजा तकनीक द्वारा रोग निदान, नैनो तकनीकी एवं बायो इन्फॉरमैटिक्स जैसे आधुनिक एवं विकसित शाखाओं पर विस्तारपूर्वक सूचनाएं प्रदान की गई। सिम्स, नागपुर सिद्याचलम लैब, रायपुर एवं माइक्रो बायोलॉजिस्ट सोसायटी, इंडिया के संयुक्त तत्वावधान एवं सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के कुल 47 स्नातकोत्तर एवं शोध विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में सिम्स की ओर से अनुसंधान अधिकारी, सुश्री पायल खुलखुले एवं सुश्री दीक्षा देशबरतार ने इलाइजा तकनीक के प्रकार एवं विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण देते हुऐ उनके विभिन्न अनुप्रयोगों को विस्तारित किया। सिम्स, नागपुर के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजपाल सिंह कश्यप ने संस्थान की चिकित्सा सेवा के अलावा उपलब्ध विस्तार सुविधाओं पर प्रकाश डालते हुए मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के अपार दायरों एवं रोजगार संभावनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी, इंडिया के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. संजीव पाटणकर ने पैनल चर्चा के माध्यम से सोसायटी के कार्यों एवं योजनाओं से अवगत कराया। जिंक मॉलिब्डेट आधारित नैनो कंपोजिट का संश्लेषण एवं उनके अनुप्रयोगो को, सिद्याचलम लैब, रायपुर की निदेशक डॉ. भावना जैन ने व्यक्तिगत प्रशिक्षण के माध्यम से विस्तारित किया। डॉ. जैन ने संश्लेषित नैनों कणों की जीवाणु नाशक एवं फफूंद नाशक प्रकृति का प्रदर्शन किया। प्रकृति में इन नैनों कणों द्वारा रंजक पदार्थों के अपचयन को भी समझाया। आधुनिक युग में जैविकी अध्ययन हेतु आवश्यक शाखा बायोइन्फॉरमैटिक्स संबंधी जानकारी भिलाई महिला महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. रंजना साहू ने प्रदान की। कम्प्यूटर आधारित इस शाखा में भारत के अलावा, यूरोप एवं जापान में स्थित आणविक डेटा बैंक से जानकारी प्राप्त करना, एवं उनके उच्चस्तरीय अध्ययनों के उपयोग में यह शाखा स्थानीय से वैश्विक संयोजकता प्रदान करती है एवं आधुनिक युग में जीव विज्ञान से जुड़े हर विद्यार्थी को बायोइनफॉरमेटिक्स के टूल्स एवं सॉफ्टवेयर की जानकारी एवं उपयोग करने की विधि जानना आवश्यक है।

समापन सत्र उच्च शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ. सुशील चंद्र तिवारी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। डॉ. तिवारी ने विद्यार्थियों को अपने विषय क्षेत्र से बाहर जाकर अध्ययन एवं अनुसंधान करने हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने इस तरह के कार्यक्रम को विभाग की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक अनुसंधानों से अवगत कराना वर्तमान समय की बहुत बड़ी माँग है, जो न केवल विद्यार्थियों को बल्कि विभाग एवं महाविद्यालय को उत्तरोत्तर प्रगति की ओर लेकर जाता है।

अँग्रेजी विभाग द्वारा पाँच दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन

महाविद्यालय के अँग्रेजी विभाग द्वारा पाँच दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन 16.01.23 से 20.01.23 तक किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अंग्रेजी भाषा में सुधार एवं व्यक्तित्व विकास कर मौजूदा उद्योगों के लिए सही नियोजन कौशल और ज्ञान देना था। महाविद्यालय के ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मार्ट क्लास रूम में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोमाली गुप्ता द्वारा किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. कमर तलत ने बताया कि आत्म विश्वास व्यक्तित्व विकास में सहायक है। डॉ. निगार अहमद ने शिष्टाचार एवं नैतिकता का जीवन में महत्व है पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में डॉ. निगार अहमद, डॉ. मर्सी जार्ज द्वारा प्रजेन्टेशन स्किल्स पर व्याख्यान दिया गया। डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. कुसुमिता सोनवनी द्वारा इंटरव्यू स्किल्स एवं ग्रुप डिस्कशन पर विस्तार से प्रस्तुति दी गई। डॉ. सोमली गुप्ता ने 'रेजियूमे' कैसे लिखना चाहिए पर विस्तृत प्रस्तुति दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को 'स्व प्रेरणा' से अपने व्यक्तित्व को संवारने की जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के समापन दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कार्यक्रम का महत्व एवं उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इनोवेशन एण्ड इमरजिंग नॉवेल रिसर्च इन प्लांट साईंस पर राष्ट्रीय सेमीनार

महाविद्यालय के वनस्पति विभाग द्वारा दो 17 एवं 18 जनवरी 2023 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. सजोय दास गुप्ता (बोस इंस्टिट्यूट कोलकाता) विशिष्ट अतिथि डॉ गौरवदवे (गुजरात) डॉ. पी. शिवकुमार सिंह (तेलंगाना), डॉ. रामनारायण पांडेय द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ.सजोय दास गुप्ता ने क्रिस्पर टेक्नोलॉजी पर उद्घाटन सत्र में व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से जिनोमिक्स प्रोटिमिक्स एवं संपूर्ण पादप जगत प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन आ रहा है। जिससे भारत ही नहीं विश्व भर में खाद्य संकट की समस्या को दूर किया जा सकता है।

डॉ. पी. शिवकुमार सिंह ने भारत में पाए जाने वाले दुर्लभ मेडिसिनल प्लांट (औषधी पौधों) पर अपना प्रस्तुतिकरण किया। तत्पश्चात् शोध छात्रों के द्वारा मौखिक प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न वैज्ञानिकों को छात्रों द्वारा वनस्पति विज्ञान में किए गए शोध कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया गया। डॉ. एम.पी. ठाकुर कृषि वैज्ञानिक इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (विस्तार केंद्र बेमेतरा) द्वारा मशरूम उत्पादन पर विस्तृत जानकारी दी। गुजरात से आए हुए पादप रसायन वैज्ञानिक डॉ. गौरव एस दवे ने भी अपना वक्तव्य दिया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में जैव तकनीकी विभाग चेयरमैन डॉक्टर के. एल. तिवारी पूर्व विभागाध्यक्ष पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र समारोह में प्रभारी प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र डॉ. राजेंद्र चौबे ने कहा कि मनुष्य अपने स्वार्थ के कारण प्रकृति एवं वन संसाधनों का अत्यधिक दोहन कर रहा है जिससे भविष्य में गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है। वनस्पतिशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य के बारे में बताया।

कार्यक्रम के आयोजक सचिव डॉ. जी.एस.ठाकुर ने सभी माननीय अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र ने किया। तकनीकी सत्र का संचालन डॉ. वीणा ठाकुर सहायक प्राध्यापक ने किया। कार्यक्रम की सहायक समन्वयक प्राध्यापक गायत्री पांडे ने कार्यक्रम की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया।

अंग्रेजी विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

अंग्रेजी विभाग द्वारा दिनांक 29 एवं 30 जनवरी 2023 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था - 'लिटरेचर, कल्चर, मीडिया एवं टेक्नोलॉजी : इंटरसेक्शनस एंड डिस्पशन्स' ! उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. केसरी लाल वर्मा, कुलपति, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से आमंत्रित थे। अध्यक्ष के रूप में डॉ. सुशील चंद्र तिवारी, क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्चशिक्षा विभाग आमंत्रित थे।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. बिनोद मिश्रा, प्राध्यापक आईआईटी रूड़की, डॉ. प्रांतीक बैनर्जी, प्राध्यापक, हिसलाप कॉलेज, नागपुर एवं डॉ. दिनेश कुमार नायर, डीन रिसर्च वी.जी. वझे कॉलेज, मुलुंड, मुम्बई आमंत्रित थे।

संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की शुरूआत कार्यक्रम की आयोजक सचिव डॉ. सोमाली ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय की महत्ता एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उसके पश्चात् सम्मानित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। विभाग की अध्यक्ष डॉ. कमर तलत द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान करते हुए अपने विभाग का परिचय दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. आर.एन. सिंह ने अपने उद्बोधन में विभाग को शुभकामनाएं दी एवं प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया के माध्यम से हम सब कुछ कह सकते है और मीडिया तथा टेक्नोलॉजी एक दूसरे के पूरक हैं। साहित्य का इसमें बहुत बड़ा योगदान रहा है।

मुख्य अतिथि डॉ. केशरी लाल वर्मा ने अपने उद्बोधन में विषय को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि साहित्य, संस्कृति, मिडिया एवं टेक्नोलॉजी समाज के चार स्तंभ है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य छात्र-छात्राओं की बेहतरी एवं पूरी शिक्षा व्यवस्था छात्राओं पर केन्द्रित होनी चाहिए। प्रदेश एवं देश के अंतिम छात्र तक हमारी पहुँच होनी चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी संसार में एक अच्छे समाज की स्थापना कर पाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि 21वीं सदी में टेक्नोलॉजी समाज का मार्ग प्रशस्त कर रही है। संगोष्ठी के विषय पर विस्तार पूर्वक डॉ. मर्सी जॉर्ज द्वारा प्रकाश डाला गया।

डॉ. विनोद मिश्रा ने अपने विषय एक्सपॉडिंग विंक्स, इनहॉसिंग लाइव्स : आरकाईविंग वचुअल (रियालिटीस) थ्रू डिजिटल लिटरेचर पर चर्चा करते हुए अत्यंत ही ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। दूसरे सत्र के वक्ता डॉ. प्रांतीक बैनर्जी द्वारा समकालीन विषय 'व्हाट् इज ए बुक इन द टाइम ऑफ शेल्फी : लिट्रेचर एण्ड टेक्नोकल्चर' पर चर्चा की। पुस्तकों एवं साहित्य का डिजिटाईजेशन एवं e-Lit पुस्तकों के महत्व पर विस्तृत चर्चा की।

प्रथम दिन के कार्यक्रम का समापन डॉ. निगार अहमद के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। संगोष्ठी के दूसरे दिन के डॉ. दिनेश कुमार नायर ने एस्थेटिक्स ऑफ सफरिंग : पेन, स्टडीज परस्पैक्टिव्स ऑन लिटरेचर एंड मीडिया विषय पर बहुत ही ज्ञानवर्धक एवं विस्तृत चर्चा की।

संगोष्ठी में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दी। 50 से अधिक शोध छात्रों द्वारा पेपर ब्लेंडेड मोड में प्रस्तुत किए गए, जिनकी अध्यक्षता डॉ. सविता सिंह, डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, प्राचार्य CSIT, डॉ. विकास पंचाक्षरी, डॉ. शैलेश मिश्रा द्वारा की गई। ऑनलाईन मोड पर अध्यक्षता डॉ. संजय सिंह परिहार, प्राध्यापक ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़, डॉ. नीलू श्रीवास्तव, डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. सुदेशना दास गुप्ता द्वारा की गई।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम पंडवानी (लोक गीत) रेणु साहू एवं सह कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गयी। सेक्रेटेरियल रिपोर्ट कार्यक्रम की आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सोमाली गुप्ता द्वारा प्रस्तुत की गई।

समापन कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। संगोष्ठी का समापन डॉ. सुचित्रा गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोमाली गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल बनाने में विभाग के प्राध्यापकों डॉ. मीना मान, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. निगार अहमद, डॉ. मोनिका शर्मा, कु. सुमिता सोनवानी एवं महाविद्यालय के स्टॉफ, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का भरपूर योगदान रहा।

महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन

महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा 2 एवं 3 फरवरी 2023 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। Environmental Issues and sustainable development विषय पर आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में श्रीलंका, नेपाल एवं चीन के अतिरिक्त प्रदेश के अनेक राज्यों से प्रतिभागी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रातः 10.30 बजे महाविद्यालय के राधा कृष्णन हॉल में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. पी.लाल, पूर्व कुलपति, सेन्ट्रल विश्वविद्यालय, नागालैंड, विशिष्ट अतिथि डॉ. एम.एल. नायक मेम्बर, छ.ग. राज्य जैव विविधता बोर्ड, रायपुर छ.ग., विशेष अतिथि डॉ. आर.के. त्रिवेदी, डायरेक्टर, En इन्टरनेशनल पुणे एवं छ.ग. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानि अधिकारी, डॉ. प्रशांत कविश्वर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. उषा साहू ने वेलकम एड्रेस दिया। डॉ. संजू सिन्हा ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। डॉ. अनिल कुमार ने अपने उद्बोधन में Basic Research के महत्व को बताया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि डॉ. आर.के. त्रिवेदी ने जल प्रदूषण एवं उसके कारणों पर प्रकाष डाला। छ.ग. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के डॉ. प्रशांत कविश्वर ने अपने उद्बोधन में wetland के महत्व को बताया तथा शोधार्थियों को उनके शोध को पेटेंट कराने के लिए पेटेंट सेल की सुविधाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पी. लाल ने अपने उत्कृष्ट उद्बोधन में पर्यावरणीय प्रदूषण एवं उसके कारणों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी उन्होंने संस्कृत के श्लोकों के माध्यम से प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों तथा उसकी कार्यप्रणाली को बताया। इसके पश्चात् डॉ. आर.के. त्रिवेदी ने अपने की नोट एड्रेस में प्रदूषित जल के उपचार हेतु low cost एवं ecofriendly methods के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने दूषित जल में भारी धातुओं के रिमूवल में जलीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तारपूर्वक समझाया तथा साथ ही शोधार्थियों को जल प्रदूषण से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोध करने हेतु प्रोत्साहित किया।

इसके पश्चात् प्रथम तकनीकी सत्र में रायपुर छ.ग. राज्य जैव विविधता बोर्ड के डॉ. एम.एल. नायक ने अत्यंत रोचक विधि से पर्यावरणीय प्रदूषणों उनके कारणों तथा उन पर किये जा रहे कार्यों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कार्बन क्रेडिट्स कार्बन सक्वेस्ट्रेशन तथा ग्लोबल वार्मिंग पर अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी दी।

महाविद्यालय में वार्षिक खेल उत्सव

महाविद्यालय में दिनांक 7.02.2023 दिन मगलवार को वार्षिक खेल उत्सव मनाया गया। वार्षिक खेल उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र चौबे जी उपस्थित थे।

महाविद्यालयीन क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ. अभिनेष सुराना ने खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुये विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने हेतु प्रेरित किया तथा शुभकामनायें दी।

सदस्य डॉ. ए.के. खान, डॉ. जी.एस. ठाकुर, डॉ. सपना शर्मा, डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. दिव्या मिंज, डॉ. अलका मिश्रा तथा महाविद्यालय के विशिष्ट प्राध्यापक डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. अनिल कश्यप, डॉ. सुकुमार चटर्जी, डॉ. थानसिंह वर्मा, डॉ. हरजिंदर पाल सलूजा, डॉ. गोविन्द गुप्ता, श्री विकास स्वर्णकार, डॉ. सुनीता मैथ्यू उपस्थित थे।

वार्षिक खेल उत्सव में महाविद्यालय में अनेक प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की गई 100 मी. दौ, 200 मी. दौड़, गोला फेक उँची कूद, लम्बी कूद, भाला फेंक आदि जिसमें महाविद्यालय विद्यार्थी ने बड़ी संख्या में भाग लिया 100 मी. दौड़ में रोबिन एवं रोशनी प्रथम रहे। 200 मी. दौड़ छात्र/छात्रा में छबिता एवं अभिषेक नेमा प्रथम रहे।

गोला केन्द्र में रेशमा और लेखराम प्रथम रहे। प्रतियोगिता का आरंभ सरस्वती माँ के चलचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप जला कर किया गया तत्पश्चात् वार्षिक खेल प्रतियोगिता का ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का आरंभ किया गया।

विजेता एवं उपविजेता छात्र/छात्राओं का महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र चौबे एवं क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्मेन्द्र कुलदीप ने बधाई और शुभकामनाऐं दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्रीड़ा समिति के सदस्य की अहम भूमिका रही।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

महाविद्यालय में 9 फरवरी 2023 को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि दुर्ग के विधायक माननीय अरूण वोरा जी, विशिष्ठ अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष श्री आशुतोष जया सिंह तथा अध्यक्ष महापौर श्री धीरज बाकलीवाल जी थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं महाविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अध्यक्ष श्री बाकलीवाल जी ने अपने उद्‌बोधन में महाविद्यालय के द्वारा किए जा रहे सतत् कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा उन्होंने महाविद्यालय में बैडमिंटन कोर्ट एवं फुटबॉल ग्राउण्ड के नवीनीकरण तथा पेयजल हेतु वाटर फिल्टर प्लांट लगाने की घोषणा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय अरूण वोरा जी ने अपने भाषण में महाविद्यालय के विकास एवं उपलब्धियों पर संतोष प्रकट किया साथ ही भविष्य में उत्कृष्ठ शिक्षा में अपना योगदान देने के लिए महाविद्यालय में 20 कमरों का निर्माण तथा 02 हाईमास्क लाईट लगाने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने अपने पिता स्व. मोतीलाल वोरा जी की स्मृति में एक लाख रूपये की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। इस पुरस्कार वितरण समारोह में 2022 की परीक्षाओं में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं क्रीड़ा, एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय एवं लायब्रेरी साईंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्व. स्मृति छात्रवृत्ति तथा कला एवं वाणिज्य संकाय में

कॉलेज समाचार

उत्कृष्ठ प्रदर्शन हेतु स्व. बलबीर सिंह गुप्ता स्मृति छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। स्नातकोत्तर स्तर पर सभी संकायों में सर्वोच्च अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को स्व. गौर गोपाल चटर्जी स्मृति छात्रवृत्ति, स्व. डॉ. शुभा गुप्ता स्मृति छात्रवृत्ति, स्व. ए.क्यू.खान स्मृति छात्रवृत्ति, स्व. प्रोफेसर प्रकाश माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक, स्व. रामेन्द्र कुमार शुक्ला स्मृति छात्रवृत्ति, स्व. डॉ. निर्मलचन्द्र पाठक स्मृति छात्रवृत्ति तथा सभी संकायों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु. रूपाली (एम.एस.सी. रसायन शास्त्र) को स्व. श्रीमती पद्मावती एवं अनिल तामस्कर की स्मृति में तामस्कर स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया।

इसी प्रकार श्रेष्ठ खिलाड़ी होने पर श्री दिलीप पटेल को स्व. बलबीर सिंह गुप्ता स्मृति छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

07 एन.सी.सी. बेस्ट कैडेट्स को स्वर्ण पदक एवं डॉ. बी. विश्वकर्मा स्मृति एवं एलुमिनी संगठन छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। 02 एन.एस.एस. विद्यार्थियों को उनकी विशिष्ठ उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदक एवं एलुमिनी संगठन छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

इसके साथ ही 36वां युवा उत्सव साउथ ईस्ट जोन गुलबर्ग विश्वविद्यालय, कर्नाटका में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले महाविद्यालय के 10 विद्यार्थियों को स्व. शुभा गुप्ता स्मृति 'प्राईस फॉर कल्चरल इवेंट' हेतु नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इनके अतिरिक्त राज्य स्तरीय विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले महाविद्यालय के खिलाड़ियों को 1000 नगद एवं ट्राफी से पुरस्कृत किया गया।

महाविद्यालय के खिलाड़ी जिन्होंने विश्वविद्यालय एवं अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता दी, उन्हें ट्राफी दी गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय द्वारा आयोजित अन्य विधाओं में विजेता एवं प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिया गया।

नेशनल मैथेमेटिक्स डे सेलेब्रेशन

गणित विभाग द्वारा 20 फरवरी 2023 को महाविद्यालय, में राष्ट्रीय गणित दिवस समारोह का आयोजन टैगोर हाल में किया गया। यह कार्यक्रम छ.ग. काउन्सिल आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रायपुर, डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नालॉजी नई दिल्ली द्वारा उत्प्रेरित है। इसमें जिले भर के लगभग 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन मैथेमेटिक्ल थीम पर किया गया।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम जशवंत एम. एस. सी. चतुर्थ सेमेस्टर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, द्वितीय पल्लवी बी. एड. चतुर्थ सेमेस्टर भिलाई महिला महाविद्यालय भिलाई, एवं तृतीय अरूंनधती बी.सी.ए. द्वितीय सेमस्टर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तार स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम गुंजन साहू बी.एस.सी. द्वितीय सेमस्टर सेंट थामस कालेज भिलाई, द्वितीय कु. सुश्मा एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर भिलाई महिला महाविद्यालय भिलाई एवं तृतीय साक्षी बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर सेंट थामस कालेज भिलाई, भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रश्मि साहू बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, द्वितीय मीनल बी.एस.सी. तृतीय वर्ष भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई नगर, तृतीय दीपक कुमार बी.एस.सी. तृतीय वर्ष, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग तथा गणितीय क्षमता प्रतियोगिता में प्रथम पुष्पेन्द्र कुमार बी.एस.सी. प्रथम

सेमेस्टर शा.वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, द्वितीय गौरव कुमार एम.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर, कल्याण पी.जी. कॉलेज सेक्टर 07 भिलाई एवं तृतीय स्थान जुगल किशोर साहू एम. एस. सी. द्वितीय सेमेस्टर, शा.वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशास महाविद्यालय से प्राप्त किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. वी. के. पाठक, उप संचालक उच्च शिक्षा संचनालय, नवा रायपुर ने छ.ग. में ओलंयियाड के संचालन एवं इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. सिंह ने इस प्रकार के आयोजन के महत्व को रेखांकित किया।

सांस्कृतिक विविधता को बचाये रखने मातृभाषा आवश्यक - डॉ. सुराना

हिंदी विभाग द्वारा 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर मातृभाषा पर वैचारिक आयोजन महाविद्यालय में किया गया। इस वैचारिक आयोजन में हिंदी विभाग के अलावा अन्य विभाग के प्राध्यापकों के साथ स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने आधार वक्तव्य में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का उद्देश्य संसार में उपलब्ध बोली, भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना है। अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका डॉ. पद्मावती ने अपनी मातृभाषा तेलुगु के भाषा विशिष्टिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तेलुगु भाषा में संस्कृत शब्दों की बहुलता है। उन्होंने उदाहरण स्वरूप तेलुगु भाषा की राम-कथा का सस्वर पाठ किया तथा उसकी व्याख्या की। संस्कृत के प्राध्यापक जनेंद्र दीवान ने संस्कृत साहित्य के कवि भर्तृहरि द्वारा वर्णित वैराग्य -शातक के श्लोक का पाठ करते हुए कहा कि मात्र वैरागी ही भय मुक्त होता है बैरागी के अलावा सभी भय ग्रस्त होते हैं। हिंदी की प्राध्यापिका डॉ. कृष्णा चटर्जी ने रविंद्र नाथ टैगोर की बांग्ला कविता का पाठ करते हुए कविता में निहित भाव की हिंदी व्याख्या की । वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. तरलोचन कौर ने सूफी कवि बाब फरीद की कविता का पाठ किया एवं वारिश शाह की 'हरि' गीत गाई । डॉ. सरिता मिश्रा ने बाबा नागार्जुन की मैथिली कविता का पाठ किया जिसमें बाबा नागार्जुन रोजी रोटी के लिए गाँव छोड़ते हुए मजदूर के दुख को व्यक्त किया है, जिसमें मजदूर गाँव छोड़ते हुए धरती माता से क्षमा माँगते है, उन्हें प्रणाम करते हैं।

प्रो. थानसिंह वर्मा ने मातृभाषा एवं संस्कृति के महत्व को स्पष्ट किया। डॉ. किरण मिश्रा, डॉ. ओमकुमारी देवांगन एवं डॉ. रजनीश ने भी छत्तीसगढ़ भाषा की कविताओं का पाठ करते हुए छत्तीसगढ़ कविताओं में निहित सौंदर्य, प्रेम और संगठन की व्याख्या की।

स्नातकोत्तर के विद्यार्थी सारिक अहमद, विश्व कुमार तथा नितिन वर्मा ने भी कविता का पाठ किया कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ के राजगीत के साथ संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

राज्य एन.एस.एस. अधिकारी छत्तीसगढ़ शासन के उच्चशिक्षा विभाग, रायपुर के निर्देशानुसार दिनांक 22.02.23 को यूथ (Y20) के तहत विभिन्न विधाओं पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय में किया गया।

इसके अंतर्गत जिला स्तरीय भाषण एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दुर्ग जिले के 16 महाविद्यालयों के कुल 31 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

भाषण प्रतियोगिता का विषय विश्व शांति में भारत की भूमिका तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का विषय 'नशा मुक्त भारतः युवाओं का स्वप्न' था।

इस कार्यक्रम में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर.पी. अग्रवाल मुख्य अतिथि एवं जिला संगठक डॉ. विनय शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। तथा इस अवसर पर डॉ. आर.पी. अग्रवाल ने अपने संबोधन से विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन किया। डॉ. विनय शर्मा ने आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

प्राचार्य, डॉ. आर.एन. सिंह ने विद्यार्थियों को ऐसे आयोजन का लाभ उठाने तथा व्यक्तिव्य का विकास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

4 Day International workshop attended by PG Students of the Department of Physics

13 PG Students of the fourth semester and 3 Research Scholars of the Department of Physics participated in 4 days International workshop on Experimental and Simulation Solutions for Developing Novel Sustainable Materials organized in hybrid mode by Govt NPG Autonomous College Raipur, CG from 7-10 Feb 2023. Students had wonderful experience of hands-on sessions and exposure to an emerging field of research tool. As a result of this workshop, 4 students carried out their major dissertation project for partial fulfillment of a PG degree in simulation and modeling, under the guidance of Dr. Kusumanjali Deshmukh. It is worth mentioning that one of the students Ms Nandita received third position in the Science Day Scientific presentation in the topic related to this.

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ग्राम चवेली में विस्तार गतिविधि का आयोजन

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय में दिनांक 23.02.23 को विस्तार गतिविधि के अंतर्गत पद्मश्री श्रीमती फूलबासन यादव जी द्वारा स्थापित मॉ बम्लेश्वरी समिति जनहितकारी (बम्लेश्वरी महिला प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, गॉव वाली) ग्राम चवेली में स्नातकोत्तर व सर्टिफि केट कोर्स के विद्यार्थियों हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस आयोजन में पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती फूलबासन यादव जी ने विद्यार्थियों को कौशल विकास महिला शक्तिकरण व उद्यम-शलीनता पर प्रेरक व्यख्यान दिया। उन्होने अपने जीवन संघर्षों का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों में अडिग रह कर सफ ल होने का मंत्र दिया। विद्यार्थियों को आत्म निर्भर होने और छात्राओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होकर स्वयं की रक्षा करने का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने ग्राम चवेली के यूनिट में मछली पालन की गतिविधियों को देखा तथा वहॉ कार्यरत सदस्यों से विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे तथा उसी यूनिट में मसाला उद्योगों को गतिविधियों को ध्यान पूर्वक देखा तथा रूचि दिखाई ।

दस दिवसीय पुरातत्व मूर्तिकला प्रशिक्षण कार्यशाला

इतिहास विभाग द्वारा संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग छ.ग.शासन के सौजन्य से दस दिवसीय पुरातत्व मूर्तिकला प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 17.03.2023 दिन-शुक्रवार को आयोजित किया गया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक एवं प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार तिवारी जी ने कार्य-शाला के अयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यशाला बहुउद्देशीय है और उन्हें आशा है कि विद्यार्थी इस रोजगार मूलक कला के जरिए अपने स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करेंगे। उन्होने इतिहास विभाग के प्रयास को सराहनीय बताया ।

इसके पूर्व इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने कार्यशाला के उद्देश्य में प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को पुरातत्वीय प्रतिमाओं के प्रतिकृति निर्माण एवं संरक्षण कि तकनिकी का ज्ञान होगा। साथ ही छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त मूर्तियों के इतिहास से भी उनका परिचय होगा तथा इसके माध्यम से वे रोजगार की ओर भी प्रवृत्त होंगे। छत्तीसगढ़ पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की ओर से प्रशिक्षक एवं कलाकार श्री रामशरण प्रजापति जी एवं राजेन्द्र सुनगारिया उपस्थित थे।

अपने सम्बोधन मे श्री रामशरण प्रजापति जी ने कहा कि पुरातत्व दृष्टि से हमें अपने प्राचीन संरचना की जानकारी मिलती हैं एवं मूर्तिकला प्रशिक्षण द्वारा भविष्य में रोजगार का माध्यम भी बनता हैं। ये कार्यशाला छत्तीसगढ़ शासन संचालनालय पुरातत्व एवं अभिलेखागार के द्वारा चलाई जा रही है।

महाविद्यालय के आई. क्यू. ए. सी. विभाग की समन्वय एवं भौतिक शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जगजीत कौर सलुजा ने कहा कि इतिहास विभाग द्वारा भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के संवर्धन एवं विद्यार्थियों में रोजगार मूलक प्रवृत्तियों के विस्तार के लिए जो प्रयास किये जा रहे है वे नई शिक्षा नीति के अनुरूप है निश्चय ही इससे विद्यार्थियों की प्रतिभा का विस्तार होगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह जी ने इतिहास विभाग के प्रयत्नों की सराहना करते हुए कहा कि अपने इतिहास विषय के दायित्व का पूर्ण निर्वाह करते हुए इतिहास विभाग द्वारा छ.ग. की सांस्कृतिक परंपराओं एवं कलाओं के संरक्षण के लिए जो प्रयत्न किये जा रहे है वे अत्यंत आवश्यक हैं।

दैनिक जीवन की घटनाओं का सूक्ष्म अवलोकन ही विज्ञान है - प्रो. शाही

विज्ञान क्लब के तत्वावधान में विज्ञान दिवस का महाविद्यालय में आयोजन किया गया। तीन दिवसीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे इंडक्शन व्याख्यान, क्विज प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, मौखिक एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम दिन दिनांक 24 फ रवरी को ऑनलाईन उद्घाटन के पश्चात् मुबंई विश्वविद्यालय की डॉ. ममता अग्रवाल एवं इन्टर युनिवर्सिटी एक्सीलेटर सेन्टर, नई दिल्ली के डॉ. पकंज कुमार ने वैज्ञानिक -शोध प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाईन व्याख्यान दिया। दिनांक 25.02.2023 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए ''ग्लोबल साईस फॉर ग्लोबल वेलविंग विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन 27.02.2023 को मौखिक शोधपत्र प्रस्तुतिकरण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं-शोध विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर सच्चिानंद शाही, कुलपति, शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भिलाई थे। अपने उद्बोधन में डॉ. शाही ने कहा कि विज्ञान का अध्ययन करना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रत्येक सूक्ष्म परिवर्तन को ध्यान देकर अपना शोध करना चाहिए। उन्होंने बहुत ही रोचक तरीके से सर सी.वी. रमन की जीवनी से संबंधित छोटे-छोटे संस्मरण विद्यार्थियों को सुनाये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने विद्यार्थियों को उद्बोधित करते हुए उनकी प्रतिभागिता की प्रशंसा की तथा भविष्य में शोध के लिए अपनी शुभकामनाायें दी।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ.अनिल कुमार ने सम्पूर्ण कार्यक्रम को संक्षेप में प्रस्तुत किया। पुरस्कार वितरण समारोह में सभी विधाओं में प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किये गये। कार्यक्रम के अंत में वनस्पति -शास्त्र विभाग की डॉ. नीतू दास ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विद्यार्थियों द्वारा विधानसभा सत्र का अवलोकन

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत दिनांक 17 मार्च 2023 को विधानसभा कार्यवाही का अवलोकन किया। विधानसभा सत्र के दौरान प्रातःकाल का और अन्य कार्यवाहियों का उन्होंने अवलोकन किया। दुर्ग विधायक माननीय श्री अरुण वोरा जी के सौजन्य से विद्यार्थियों का विधान सभा भ्रमण संपन्न हुआ। माननीय विधायक श्री अरुण वोरा जी ने विद्यार्थियों की विधानसभा शैक्षणिक भ्रमण के अलावा जंगल सफारी भ्रमण की व्यवस्था का भी प्रबंध किया। शैक्षणिक भ्रमण के प्रभारी अधिकारी सहायक प्राध्यापक श्री तरुण साहू अतिथि व्याख्याता डा.रश्मि गौर डा. राजेश्वरी, राखी एवं भारती ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन किया।

नेट/सेट आकांक्षी विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय ई-वर्कशॉप

रूसा द्वारा महाविद्यालय के गणित विभाग में 13 से 18 मार्च तक राष्ट्रीय ऑनलाईन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में लगभग 200 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जिसमें शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वषासी महाविद्यालय के अतिरिक्त शासकीय महाविद्यालय, उज्जैन, शासकीय महाविद्यालय, भोपाल, बस्तर महाविद्यालय एवं बी.आई.टी दुर्ग के विद्यार्थी शामिल हुए। इस कार्यशाला का उद्देश्य उन विद्यार्थियों को लाभांवित करना था, जो नेट एवं सेट की तैयारी कर रहे है, कार्यशाला के मुख्य विशेषज्ञ डॉ. सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने फंक्शनल एनालिसिस एवं डॉ. प्रेमलता वर्मा ने कॉम्बीनैटोरिक्स पर अपना व्याख्यान दिया। इसी के साथ डॉ. विवेक शर्मा ने रियल एनालिसिस, श्री सत्यम ओमर ने मॉडन एलजेबरा, प्रतीक सिंह ने लिनियर एलजेबरा तथा चित्र कुमार ने काम्पलेक्स एनालिसिस पर व्याख्यान दिया।

इस कार्यशाला में नेट/सेट में आने वाले प्रश्नों को हल करने की विधि बतायी।

रिमोट सेसिंग एवं जीआईएस पर कार्यशाला आयोजित

भूविज्ञान एवं भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 20 से 24 मार्च तक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए रिमोट सेसिंग एवं जीआईएस पर महाविद्यालय के कार्यशाला आयोजित हुई।

भूविज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. देशमुख ने कार्यशाला की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने अपने उद्बोधन में रिमोट सेंसिंग एवं जी.आई.एस. के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. शैलश चौरे ने विषय विशेषज्ञ के रूप में सुदूर संवेदन के मूलभूत सिद्धांतों को समझाया। यह व्याख्यान ऑनलाईन माध्यम से सम्पन्न हुआ। छ.ग. खनिज विकास निगम के भू-वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक देवांगन ने प्रतिभागियों को टोपोशीट तथा जी.आई.एस. के तत्वों की सारगर्भित जानकारी दी। श्रीमती बबिता निषाद (जीआईएस विशेषज्ञ) द्वारा मानचित्र प्रक्षेप के बारे के जानकारी दी गयी। उन्होंने प्रतिभागियों को सॉप्टवेयर द्वारा जिओ रेफरेंसिंग डिजिटाइजेशन एवं मानचित्र निर्माण करना सिखाया।

इग्नू नयी दिल्ली के प्रो. बेनीधर देशमुख ने रिमोट सेंसिंग के भूगोल एवं भूविज्ञान में अनुप्रयोगों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यशाला के समापन समारोह में विज्ञान संकाय की डॉ. अनुपमा अस्थाना एवं महाविद्यालय के आतंरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. जगजीत कौर सलूजा ने सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं अध्ययन सामग्री वितरित की।

कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कॉलेज समाचार

स्टूडेंट्स कैम्पस बाजार का आयोजन

महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्नातक विद्यार्थियों के लिए स्किल डेव्हलपमेंट एवं आन्त्रप्रेन्योरशिप पर 17.04.2023 को महाविद्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता बतायी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना की एवं उन्हें ग्रीन टेक्नालॉजी तथा ग्रीन सस्टेनेबिलिटी की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की विशेष अतिथि एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सुश्री नीलम मिश्रा ने महाविद्यालय के हरे-भरे परिसर की अत्यंत सराहना की एवं ग्रीन टेक्नालॉजी की दिशा में महाविद्यालय के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वालम्बी होने के लिए लघु उद्योगों को प्रारंभ करने तथा कौशल विकास में तकनीकी सहायता प्रदान करने की बात कही। इसके पश्चात् स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के द्वारा 'स्टूडेंट्स कैम्पस बाजार' का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

विद्यार्थियों ने कौशल का प्रदर्शन करते हुए खाद्य सामाग्री, पेयपदार्थ, हस्तकला तथा मूर्तिकला को बहुत ही खूबसूरती से प्रदर्शन सह विक्रय किया। इस 'स्टूडेंट्स कैम्पस बाजार' में वनस्पति शास्त्र, माइक्रोबायलॉजी, रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र एवं इतिहास विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने आभार प्रदर्शन किया।

शैक्षणिक भ्रमण

महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा गणित के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए 18 मार्च से 24 मार्च तक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने मुख्यतः बनारस हिंदु विश्वविद्यालय एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय का दौरा किया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधित अतिरिक्त जानकारी हासिल की। भ्रमण का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को अनुभवात्मक एवं प्रासंगिक शिक्षक को सुदृढ़ करने एवं कक्षा की चार दीवारी से बाहर सीखने का अवसर उपलब्ध कराना था। साथ ही विद्यार्थियों को दूसरे विद्यार्थियों से विचार विमर्श कराना, तथा भारतीय सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए उनके व्यक्तित्व का विकास करना था।

AY Workshop on DNA Barcoding today workshop on DNA Barcoding

On 26th and 27th April, 2023, a Two Day Workshop on DNA Barcoding: A Challenge to Linneus Classification was organised by the Department of Biotechnology in collaboration with CytoGene Research & Development, Lucknow. In the workshop students were trained to perform DNA barcoding of the Plants. The resource persons were Mr. Sujeet Kumar Singh and Dr. Madhulika Singh from CytoGene Research & Development, Lucknow.

The inauguration session was graced by Mr. Sujeet Kumar Singh, Dr. Madhulika Singh, Dr. R.N. Singh, Principal of the college, Dr. Anil Kumar Shrivastava Head of the Department and senior faculty of the other department. In the workshop the students learnt the following techniques:

" Isolation of DNA from Plants
" Agarose gel electrophoresis
" Polymerase chain reaction
" Sequene analysis
" Assigning taxonomic name to DNA barcodes

M.Sc. students and faculty from the department Biotechnology participated in the workshop. Addressing the students in the Valedictory session, Professor Anil Kumar Shrivastava emphasized on the identification of organism in an attempt to preserve species diversity in the face of accelerating habitat destruction due to global climate change and anthropogenic activities. Certificates were awarded to all the participants.

छोटी सी चूक किसी भी बड़ी महत्वाकांक्षी परियोजना को असफल कर सकती है - डॉ. निशिकांत ताम्रकार,

महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग द्वारा 2 मई, 2023 को डॉ. निशिकांत ताम्रकार, वैज्ञानिक एफपरियोजना निदेशक, डीआरडीओ बैंगलुरू का अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

डॉ. ताम्रकार ने विद्यार्थियों को डीआरडीओ की परियोजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा डीआरडीओ के द्वारा राष्ट्रहित में चलाये जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के सटीक संचालन के महत्व को बहुत ही रोचक ढंग से बताया।

उन्होंने बताया कि छोटी सी चूक किसी भी बड़ी महत्वाकांक्षी परियोजना को असफल कर सकती है। अतः उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जीवन में किसी कार्य को छोटा या बड़ा न समझते हुए उसे पूरी लगन एवं गंभीरता से पूर्ण करना चाहिए और ऐसे कार्यक्रमों में समय का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है।

व्याख्यान के अंत में डॉ. ताम्रकार ने विद्यार्थियों के मन में उठ रही जिज्ञासाओं का बहुत ही सरल तरीके से समाधान किया। व्याख्यान में विभाग के सभी प्राध्यापकगण तथा 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे।

महाविद्यालय में दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का निःशुल्क आयोजन

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के द्वारा निःशुल्क संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन दिनांक 22.05.2023 से 31.05.2023 तक किया गया है।

सम्भाषण शिविर के उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेष सुराना ने संस्कृत की महत्ता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को बताया कि संस्कृत सबसे प्राचीन तथा वैज्ञानिक भाषा है। हम सबको गर्व होना चाहिए कि विश्व की सबसे प्राचीन पुस्तक संस्कृत साहित्य का ग्रंथ ऋग्वेद है। हमें अपनी इस विरासत को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए संस्कृत का अध्ययन करना चाहिए और उसमें उपलब्ध ज्ञान राशि को जन-सज्जन तक पहुँचाना चाहिए। विषय विशेषज्ञ के रूप में पहुँचे संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर के विद्वान प्राध्यापक डॉ. बहुरनसिंह पटेल ने संस्कृत भाषा में धारा प्रवाह बोलते हुए संस्कृत को ज्ञानविज्ञान की भाषा बताया। उन्होंने कहा कि न केवल संस्कृत योग एवं आयुर्वेद में उपोयगी है, अपितु रसायन शास्त्र, खगोल विद्या, भूगोल विद्या, नक्षत्र विद्या, भौतिक -शास्त्र, वनस्पति शास्त्र तथा ऐसी अनेक विद्यायें संस्कृत साहित्य में विद्यमान है। आज बी.ए.एम.एस. का विद्यार्थी चरक संहिता, सुश्रुत संहिता के कुछ अंश तो पढ़ता है, परंतु लोगों को यह नहीं पता कि ये सभी ग्रंथ संस्कृत साहित्य के ही महत्वपूर्ण अंश है। इसी प्रकार प्रत्येक विद्या संस्कृत ग्रंथों में विद्यमान ज्ञान राशि से निःसृत है। कार्यक्रम में शासकीय इंदिरा गांधी महाविद्यालय, वैशाली नगर के प्रोफेसर महेश कुमार अलेन्द्र ने संस्कृत के महत्व पर विद्यार्थियों को संबोधित किया।

उन्होंने संस्कृत का व्यवहार में उपयोग करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया। संस्कृत सम्भाषण शिविर के मुख्य प्रशिक्षक आचार्य रणजीत शास्त्री ने संस्कृत भाषा में ही अपनी बात रखते हुए संस्कृत की विशाल एवं समृद्ध साहित्य परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने उसकी व्याकरिणक वैज्ञानिकता पर प्रकाश डाला।

प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने संस्कृत सम्भाषण शिविर के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला तथा संस्कृत के दस दिवसीय शिविर में सबका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को सरल एवं मनोरंजक ढंग से संस्कृत सीखने का सुअवसर प्राप्त हुआ है, इसके लिए विद्यार्थियों को सजग रहकर गंभीरता से सीखने की आवश्यकता है, उन्होंने सभी अतिथियों एवं श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन एवं आभार प्रदर्शन किया।

एनएसएस इकाई के स्वयं सेवक पारस मणि साहू का - 'युवा संगम' नागालैंड दौरे के लिए चयन

एन.एस.एस. इकाई के स्वयं सेवक पारस मणि साहू का चयन युवा संगम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत् नागालैंड दौरे के लिए हुआ है ।

युवा संगम एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत एक पहल है, जिसका उद्देश्यय लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव को मजबूत करना और देश भर के युवाओं के बीच सहानुभूति पैदा करना है। बी.एस.सी. छात्र पारसमणि साहू का चयन छत्तीसगढ़ के 1200 छात्रों में से हुआ है। चयनित 45 युवा एनआईटी नागालैंड में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

इस युवा संगम से छात्रों को पर्यटन, परम्परा, प्रौघोगिकी और परस्पर संपर्क के क्षेत्रों में व्यापक, बहुआयामी अनुभव मिलेगा।

नवम् अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक 21.06.2023 को नवम् अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'एक विश्व एवं स्वास्थ्य' थीम के आधार पर योग दिवस का आयोजन महाविद्यालय परिसर के पी.वी. सिन्धु बैडमिंटन हॉल में सुबह 7.00 बजे किया गया। योगाभ्यास की शुरूवात सूक्ष्म व्यायमों द्वारा की गई उसके बाद योगा के आसनों जैसे ताड़ आसन, व्रज आसन, भुजंग आसन, अर्धहल आसन, शव आसन जैसे आसनों का योगाभ्यास किया गया। योग शिक्षिका श्रीमती नीरा सिंह ने इन आसनों के लाभ एवं सावधानी से अवगत कराया।

तीसरे चरण में प्राणायांम से संबंधित क्रियाए की गई और अंत में शांति मंत्र द्वारा योगाभ्यास का समापन किया गया। योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं एन.सी.सी., एन.एस.एस. तथा स्पोर्टस के

छात्र-छात्राऐं सम्मिलित हुए।

योग दिवस का आयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी श्री लक्ष्मेन्द्र कुलदीप द्वारा किया गया और अंत में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती डॉ. अनुपमा अस्थाना ने स्वस्थ और निरोग रहने के लिए योग के नियमित योगाभ्यास करने की प्रेरणा दी।

रसायनशास्त्र विभाग द्वारा फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन

महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स पर दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का दि. 22.6.23 को उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर प्रलय मैती (आई.आई.टी. वाराणसी) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. चंदन उपाध्याय (आई.आई.टी. वाराणसी), डॉ. अखिलेश सिंह (आई.आई.टी. वाराणसी), डॉ. जय सिंह (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर) डॉ. वाय.आर. कटरे, डॉ. डब्ल्यू बी. गुरनुले (नागपुर), डॉ. रबिन जुगाड़े (नागपुर), डॉ. राजेश लालवानी (बी.आई.टी.) आदि सम्मिलित हुए। उद्घाटन समारोह के आरंभ में संगोष्ठी की संयोजक डॉ. अनुपमा अस्थाना एवं आयोजन सचिव डॉ. अजय सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन तथा माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं राष्ट्रीय गीत से हुआ। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में अकादमिशियन, शोधकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि डॉ. चंदन उपाध्याय ने फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स के क्षेत्र में शोध की प्रगति का विवरण दिया। डॉ. अखिलेश सिंह ने महाविद्यालय द्वारा फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स विषय पर शोध संगोष्ठी आयोजित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस महाविद्यालय के शोध के क्षेत्र में योगदान की प्रशंसा की।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. प्रलय मैती ने ऊर्जा के क्षेत्र में फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स के उपयोग के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी एवं इनके उपयोग से ऊर्जा के क्षेत्र में आने वाले क्रांतिकारी परिवर्तनों का विवरण दिया।

कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की संयुक्त सचिव डॉ. सुनीता मैथ्यू ने किया। उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. अनिल कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

दोपहर के सत्र में आई.आई.टी वाराणसी के डॉ. अखिलेश सिंह ने भविष्य में मल्टी फंक्शनल मटेरियल्स तथा आई.आई.टी. वाराणसी के डॉ. चंदन उपाध्याय ने पदार्थ के चुबंकीय गुणों में क्रिस्टल केमेस्ट्री की भूमिका पर व्याख्यान दिया।

द्वितीय तकनीकी सत्र के प्रारंभ में डॉ. जय सिंह ने जिंक ऑक्साइड नैनोरॉड्स के निर्माण की विधि एवं उनके उपयोग पर व्याख्यान दिया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों द्वारा -शोध पत्रों की प्रस्तुति दी गयी।

रोल ऑफ कॉलेज लायब्रेरी इन टीचिंग, लर्निंग एण्ड रिसर्च विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

पुस्तकालय एवं सूचना विभाग एवं केन्द्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 एवं 27 जून 2023 को रोल ऑफ कॉलेज लायब्रेरी इन टीचिंग, लर्निंग एण्ड रिसर्च विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आई.आई.टी, दिल्ली के पुस्तकालयाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नबी हसन सम्मिलित हुये एवं अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर. एन. सिंह ने की।

डा. नबी हसन ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकालयों के माध्यम से शिक्षण, अध्यापन एवं अनुसंधान कार्यो को पूर्ण करने हेतु वर्तमान में सूचना तकनीकि का महत्व बताया गया है। उन्होने आई.आई.टी. दिल्ली की पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर. एन. ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये महाविद्यालय पुस्तकालय की सूचना सेवाओं को उत्तम बनाने हेतु आवश्यक बातों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. राजेन्द्र चौबे ने महाविद्यालय पुस्तकालयों के बदलते स्वरूप को पाठको हेतु उपयोगी बताया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी महाविद्यालय पुस्तकालयों की भूमिका पर विद्वानों के द्वारा सारगर्भित चर्चा की गई। डॉ. नबी हसन ने पुस्तकालयों में आधुनिकतम तकनीकि एवं ओपेन सोर्स सूचना स्त्रोतों की उपयोगिता एवं प्रदर्शन हेतु महत्वूपर्ण सुझाव दिये।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर से डॉ. सुशांत साहू ने प्रतिभागियों को पुस्तकालय सेवाओं को उत्कृष्ट बनाने हेतु उत्प्रेरक व्याख्यान दिया। विक्रम विश्वविद्यालय के राज बोरिया ने अपने व्याख्यान में पुस्तकालय उन्मुखीकरण एवं उपयोगकर्ता शिक्षण पर सारगर्भित जानकारी दी। प्रथम दिवस के अंतिम सत्र में पांच प्रतिभागियों अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

संगोष्ठी के द्वितीय दिवस आरंभिक सत्र में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर मुबंई से डॉ. अनिल कुमार ने बार्क की सेवाओं की जानकारी के साथ-साथ इनकी उपलब्धता एवं उपयोगिता को बताया।

द्वितीय सत्र में बाबा साहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद से डॉ सुशांत एस. सोनवाने ने अपने व्याख्यान में संस्थानों एवं पुस्तकालय की वेबसाईट को उनका दर्पण बताया एवं अपने अध्ययन के आधार पर बताया कि भारत में इन संस्थानों के द्वारा वेबसाईट को अद्यतन करने वालो का प्रतिशत मात्र पांच है। संगोष्ठी के सत्र में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की डॉ संगीता सिंह ने अपने व्याख्यान में पुस्तकालय के सूचना स्त्रोतों को उपयोगिता बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये। संगोष्ठी

के अंतिम सत्र में पांच प्रतिभागियों अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि शासकीय दानवीर तुलाराम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश पाण्डेय ने अपने संबोधन में पुस्तकालय की उपयोगिता एवं आधुनिकतम तकनीक को महत्वपूर्ण बताया। संगोष्ठी के आयोजन सचिव ने संगोष्ठी की विषय एवं उप विषयों के आधार पर प्रतिभागियों द्वारा की गई चर्चा को सार्थक बताया। संगोष्ठी में 110 से ज्यादा प्रतिभागियों ने सम्मिलित होकर इससंगोष्ठी के उद्देश्य को सार्थक बनाया।

संगोष्ठी का मंच संचालन डॉ. एस. डी देशमुख ने किया। संगोष्ठी में डॉ राजलक्ष्मी पाण्डेय, अनुराग पाण्डेय, ललिता श्रीवास, संतोष कुमार चन्द्राकर का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

संगोष्ठी के अंत में डॉ अजय सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सलग्न सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों के सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

Virtual cafe : A New Initiative for learning English

The third session of the Virtual Café was organised from 18th May 2023 to 2nd June 2023. Students from India (Govt. VYTPG Autonomous College, Durg) Israel (Braude College of Engineering) and Poland (Wroclow University of Environmental and Life Science) interacted and showcased their national identities and exchanged their cultural and culinary aspects.

The students also acquired insights into the life style, daily schedule, hobbies, families and friends of each other. The theme of their discourse was "Meeting People and Getting Acquainted" and "Hobbies and Interests" The students of these three countries participated with great enthusiasm and vigour.

Virtual café a cross-cultural initiative of the Department of English, provides students a splendid opportunity to improve language skills while leading the students to a deeper understanding about cultures of different countries.

The objective of this new initiative is to encourage the students to learn speaking in English with the students of another country. It provides an opportunity to the students to learn and discover the culture and people of other countries. A large number of students participated in the event with great spirit and enthusiasm.

एन.सी.सी. के कैडेट्स ने किया महाविद्यालय को गौरवांवित

जिला पुलिस द्वारा 26 जनवरी 2023 (गणतंत्र दिवस) के अवसर पर पंडित रविशंकर स्टेडियम में परेड आयोजित की गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैड्ेट्स द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा उत्साहपूर्वक रक्तदान

जिला चिकित्सालय, दुर्ग द्वारा 14 जून 2023 को आयोजित रक्तदान दिवस पर महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा उत्साहपूर्वक रक्त दान किया गया। इस अवसर पर जिला अस्तपताल द्वारा एन.सी.सी. कैडेट्स को सम्मानित किया।

समय की पहचान एवं सम्मान युवा वर्ग की सबसे बड़ी ताकत

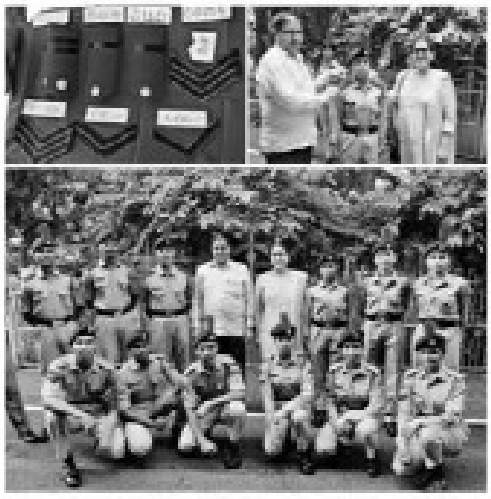

महाविद्यालय, में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजा-रोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। ध्वजारोहण के पश्चात् प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय मूल्यों को पहचानने एवं उसका आदर करने का है। जो समय का सम्मान नही करता समय उसे बर्बाद कर देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भारत विश्व के नक्शे पर युवा देश के रूप में परिलक्षित हो रहा है। ये युवा हमारे देश की दिशा और दशा निर्धारित करने में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगें। हम शिक्षकों का यह सतत् प्रयास होना चाहिए कि हम अपने इस विशाल युवा वर्ग को मानवीय मूल्य, कौशल निर्माण एवं समय का सम्मान करने हेतु भली-भांति प्रशिक्षित करें। हमारी युवा शक्ति ने समय-समय पर विश्व के समक्ष अपनी उर्जा एवं सुदुढ़ता का परिचय दिया। कोविड-19 के मंदी के दौर में भी भारत सदैव विकास की ओर रहा और यही कारण है कि आने वाले 3-4 वर्षों में भारत विश्व के पटल पर तृतीय महाशक्ति के रूप में दिखायी देगा। भारत सरकार द्वारा लागू की गयी नयी शिक्षा नीति युवाओं को सही दिशा की ओर अग्रसर करने में बहुत अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने समाज की दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे संस्कारों का निरंतर पतन दिखायी दे रहा है। इसके लिए हम शिक्षकों को भी पूरी लगन, परिश्रम एवं ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निवर्हन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी देश की संस्कार एवं संस्कृति देखना हो तो वहाँ के शिक्षकों का स्तर देखना चाहिए।

विश्व पर्यावरण जागरूकता सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विश्व पर्यावरण संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनुपमा अस्थाना के मार्गदर्शन में तथा कार्यक्रम अधिकारी प्रो.जनेंद्र कुमार दीवान के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ ग्रहण कराया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता रैली का आयोजन कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भाव लाने हेतु लोगों से अपील की गई।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनुपम आस्थाना ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों का बड़ी जिम्मेदारी से निर्वहन कर रहे हैं जो प्रशंसा योग्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थी हमेशा पर्यावरण एवं समाज के प्रति सेवा का भाव रखते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदना एवं संरक्षण का भाव उत्पन्न करता है ।

महाविद्यालय के परिसर में स्वच्छता एवं हरियाली बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थी हमेशा तत्पर रहते हैं इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। इसी के साथ उन्होंने महाविद्यालय परिसर में अनावश्यक बिजली या पंखे चलते रहने के प्रति जागरूक किया कि वे अपनी कक्षा में चल रहे अनावश्यक बिजली व पंखे बंद रखें ।

वनस्पति शास्त्र विभाग से डॉ. विजयलक्ष्मी नायडू ने अपने उद्‌बोधन में विद्यार्थियों से कहा कि युवा ही प्रकृति एवं पर्यावरण को बचा सकते हैं। हमारे युवाओं में इसके प्रति उत्साह एवं जागरूकता दिखाई देती है यह हमारे लिए गर्व की बात है। डॉ. प्रदीप जांगड़े ने अपने उद्‌बोधन में विद्यार्थियों को कहा कि वह सदा राष्ट्रीय सेवा योजना जैसी संस्थाओं में जुड़ कर समाज के प्रति दायित्वों का निर्वहन करते रहें जिससे उनका और समाज का विकास हो सके। क्रीड़ा विभाग से डॉ लक्ष्मेन्द्र कुलदीप ने बताया कि युवा की सफलता तभी है जब वह समाज और विश्व के लिए कुछ कर दिखाएं। एन.एस.एस. ऐसा ही मंच है जहाँ हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का पालन करते हैं।

राजनीति विज्ञान विभाग से प्रो तरुण कुमार साहू ने विद्यार्थियों को स्वयं से प्रेरित होकर समाज सेवा करने हेतु आवाहन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयं सेवक एवं कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अपने गांव व शहरों में पक्षियों एवं पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था कर रहे हैं तथा इस वर्ष स्वयंसेवकों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा औरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया है।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारी प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने सभी अतिथियों एवं स्वयंसेवकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पी.एस.सी. एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु ऑनलाइन कक्षाओं का उद्घाटन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी के तत्वावधान में प्लेसमेंटसेल के अन्तर्गत संचालित शिक्षादान योजना के तहत महाविद्यालय के छात्रों के लिए निःशुल्क कोचिंग का उद्घाटन। 11 मई 2023 को किया गया । मुख्य अतिथि अंकिता शर्मा (प्रथम महिला आई. पी. एस. अधिकारी छत्तीसगढ़) एवं विषय अतिथि प्राची ठाकुर (डिप्टी कलेक्टर, जिला बालोद) की उपस्थिति में किया गया।

अतिथि वक्ताओं ने महाविद्यालय के सभागार में उपस्थित 200 से अधिक विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा प्रतियोगी परिक्षाओं, पी.एस.सी. एवं यू.पी.एस.सी. की तैयारी एवं साक्षात्कार के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से उत्साहवर्द्धन किया गया। अध्यक्ष के आसंदी से वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र चौबे ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारण के प्रति फोकस करने और उसे क्रियान्वित करने पर बल दिया। शिक्षादान योजना के उद्देश्यों पर प्रभारी डॉ. सुचित्रा शर्मा ने बताया कि यह योजना कोविड काल के दौरान 2020-21 से ऑनलाइन प्रारंभ की गई थी।

कार्यक्रम में शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी के डॉ. ए. एन. शर्मा ने विद्यार्थियों का शिक्षादान योजना में प्रतिभागिता की नियमावली को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंशुमाला चंदनगर ने किया। अतिथि परिचय डॉ. कल्पना अग्रवाल एवं डॉ. अलका मिश्रा ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डॉ. पद्मावती ने किया।

सूक्ष्म जीवों की जीवंत प्रदर्शिनी

महाविद्यालय के माइक्रोबायलॉजी विभाग द्वारा 'माइक्रोपिया' माइक्रोबायलॉजिकल एशोसियेशन के तत्वावधान में बैक्टीरिया एवं फंजाई के जीवंत संवर्धन पर प्रदर्शनी आयोजित की गयी। प्रदर्शनी का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह एवं भौतिक -शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. जगजीत कौर सलूजा ने रिबन काट कर किया।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों के इस प्रयास के लिए उनकी प्रशंसा की तथा उन्हें शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों से विद्यार्थियों की प्रैक्टिकल स्किल बढ़ने के साथ ही विद्यार्थियों में आत्म विश्वास बढ़ता है।

डॉ. सलूजा ने विद्यार्थियों के कार्य की सराहना की। प्रदर्शनी में 22 बैक्टीरिया एवं 16 फंजाई की स्पीशिज का प्रदर्शन किया गया। इस जीवंत प्रदर्शिनी में सूक्ष्म जीवों का संवर्धन पानी, मिट्टी, हवा एवं अन्य स्त्रोतों से किया गया एवं उन्हें अलग-अलग मीडियम में कल्चर करके प्रदर्शित किया गया। इनकी कालोनी के आधार पर इन्हें पहचान कर प्रत्येक प्रकार का QR Coding भी विद्यार्थियों के द्वारा की गयी। प्रदर्शनी का अवलोकन विभिन्न विभाग के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा किया गया। सभी ने इस प्रदर्शिनी की प्रशंसा की।

मिला राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक अवार्ड

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के दो स्वयं सेवकों को राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह के मार्गदर्शन, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर.पी. अग्रवाल की प्रेरणा एवं जिला संगठक डॉ. विनय शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं सहयोग से महाविद्यालय के दो विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के दो पुरस्कार अपने नाम किया।

छत्तीसगढ़ शासन के उच्चशिक्षा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवकों को पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय शिविर कृष्णा महाविद्यालय, खम्हरिया में सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित था। जिसमें सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारियों, इकाईयों एवं स्वयं सेवकों को प्रदेश युवा आयोग अध्यक्ष श्री जितेन्द्र मुदुलियार, आयुक्त, उच्चशिक्षा विभाग श्रीमती शारदा वर्मा, पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केसरी लाल वर्मा, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा के द्वारा सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के दो प्रतिभावान होनहार विद्यार्थियों कु. मानसी यदु एमएससी भूगर्भशास्त्र एवं मोहम्मद अदनान बी.एससी. तृतीय वर्ष को रूपये 11,000/- की नगद पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा साईंस कालेज दुर्ग की जनभागीदारी समिति को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री आशुतोष सिंह एवं समिति के सभी सदस्यों ने पुरस्कार प्राप्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह एवं आईक्यूएसी संयोजक डॉ. जगजीत कौर सलूजा, एनएसएस छात्रा इकाई प्रभारी डॉ. मीना मान, छात्र इकाई प्रभारी प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान उपस्थित थे। उक्त पुरस्कारों की प्राप्ति पर महाविद्यालय परिवार गौरवान्वित है।

एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा पर्यावरण जागरूकता दिवस का आयोजन

एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा पर्यावरण जागरूकता दिवस का आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय एन.सी.सी इकाई द्वारा छात्रों में जागरूकता लाने हेतु ऑनलाईन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में एन.सी.सी. कैडेट्स आस्था सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा कु. राखी ध्रुव एवं चंचल ठाकुर ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स भविष्य में विद्यार्थियों का शैक्षणिक बैंक

महाविद्यालय एवं उच्च शिक्षा संचालनालय छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 'एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स' विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13.04.2023 को किया गया । यह कार्यशाला राज्य के सभी शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों एवं सभी स्वशासी महाविद्यालयों के लिए आयोजित की गयी। यह कार्यशाला नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी के डिजि लॉकर बनाने एवं उसमें विद्यार्थी के क्रेडिट एक्युमेलेशन एवं उसके लाभ से संबंधित जानकारी देने के लिए आयोजित की गयी थी। राधा कृष्णन हॉल में आयोजित इस कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमती शारदा वर्मा, आयुक्त उच्चशिक्षा विभाग, अध्यक्ष डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्चशिक्षा विभाग, दुर्ग डिविजन, संरक्षक डॉ. आर.एन. सिंह, प्राचार्य, संचालक डॉ. जी.ए. धनश्याम, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, राज्य स्तरीय गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ एवं संयोजक डॉ. अनिल कुमार, प्राध्यापक थे।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में आयुक्त महोदया ने सभी को संबोधित करते हुए नयी शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को अत्यंत आवश्यक बताया एवं सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को डिजि लॉकर एवं ABC को लागू करने हेतु निर्देशित किया।

कार्यशाला में डिजि लॉकर एवं एकेडेमिक क्रेडिट मेंटेनेंस, विश्वनीयता एवं गोपनीयता पर प्रशिक्षण देने हेतु मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रानिक एण्ड इन्फॉरमेंशन टेक्नालॉजी भारत सरकार, नई दिल्ली से श्री गौरव खरे नेशनल कॉडिनेटर, श्री रोहित सिंह, स्टेट कॉडिनेटर एवं सुश्री पूनम सिंह तकनीकी सहायक उपस्थित थे, साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य की डिजि लॉकर टीम की ओर से मोहम्मद हैदरी एवं श्री नीलेश सोनी, रायपुर से उपस्थित थे।

कार्यशाला में नयी शिक्षा नीति 2020 लागू होने के पश्चात् शिक्षा नीति के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी के लिए डिजि लॉकर खोलने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा उसका उपयोग करने तथा एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC) लॉकर खोलने, उसका क्रियान्वयन तथा विद्यार्थियों के लिए इसकी उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही डिजि लॉकर एवं (ABC) के धारणा को जन सामान्य तक पहुँचाने हेतु प्रत्येक विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को डिजि लॉकर सेल खोलने तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे नयी शिक्षा नीति का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन किया जा सके तथा प्रत्येक विद्यार्थी को उसके परिश्रम का उचित लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों के द्वारा डिजि लॉकर से संबंधित प्रतिभागियों की शंकाओं का निराकरण किया गया एवं कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला की उपयोगिता से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किए एवं कार्यक्रम को अत्याधिक उपयोगी बताया।

कार्यक्रम में 31 विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से लगभग 80 प्रतिभागी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जी.ए. धनश्याम एवं डॉ. अनिल कुमार ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

महाविद्यालय नि:संदेह प्रदेश का उत्कृष्ट महाविद्यालय है - श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा

दिनांक 01.05.2023 दुर्ग जिले के जिलाधीश श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के द्वारा शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया।

डॉ. अनिल कुमार ने पावर पवाइंट प्रेजेटेंशन के द्वारा जिलाधीश को महाविद्यालय की उपलब्धियों से अगवत कराया तथा भविष्य में देश के सर्वोच्च उत्कृष्ट महाविद्यालयों की सूची में शामिल होने के लिए अधोसंरचना, शोध उपकरण, ग्रंथालय तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आवश्यक कमियों की जानकारी दी तथा उनसे प्रदश के इस एकमात्र 'ए प्लस' महाविद्यालय के उन्नयन हेतु आवश्यक लगभग 12 करोड़ राशि प्रदान करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

जिलाधीश महोदय ने सभी उपलब्धियों एवं कमियों को ध्यानपूर्वक समझाया तथा तत्काल रूप से 3 करोड़ राशि महाविद्यालय को छ.ग. शासन के डी.एम.एफ फंड से उपलब्ध करने की घोषणा की तथा उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य से आग्रह किया कि उपरोक्त राशि का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर जाये। साथ उन्होंने यह आश्वासन दिया भी कि आने वाले समय में विभिन्न उद्योगों के सी.एस.आर. मद से और प्रस्तावित राशि महाविद्यालय को प्रदान की जायेगी।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहें।

प्राचार्य, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन- 0788 2211688 ई मेल:pprinci2010@gmail.com वेबसाइट www.govtsciencecollegedurg.ac.in